पेश हो
[illegible]

13.08.25

आज यह पत्रावली पेश हुई व कुलाप पक्षकारान उपस्थित उन्हें सुना गया पत्रावली एवं इसमें प्रस्तुत दस्तावेजों रिकार्ड का भलीभांति अध्ययन किया गया तो पाया कि विवादित आराजीत का बाद मौद्दह एक आ0उ0प0 किता विभाजन नहीं हुआ है सहखातेदारों का प्रत्येक इंच पर कब्जा माना जाना वाजिब है। ऐसी सूरत में अनावश्यक मुकदमा बाजी नहीं बढ़े व कानूनी पेचीदगीया पैदा नहीं हो इसको ध्यान में रखते हुए प्रार्थना-पत्र प्रारम्भी स्वीकार किया जाकर प्रार्थना-पत्र में प्रतिवादीगण को तो फैसला मूल वाद जारी से अस्थाई निषेधाज्ञा द्वारा पाबन्द किया जाता है कि आ0ख0नं0 316 रकबा 0.70, 346 रकबा 0.50, 348 रकबा 0.16, वाके ग्राम निठार तहसील मुख्यालय (भरतपुर) की रिकार्ड एवं मौके की यथावत स्थिति बनाये रखें।

पत्रावली फैसला मूल वाद होकर नम्बर रेकर्ड हो। संलग्न मूल वाद हो।

[signature]
राधेश्याम मीणा
उपखण्ड अधिकारी
उपखण्ड अधिकारी
भुसावर (भरतपुर)